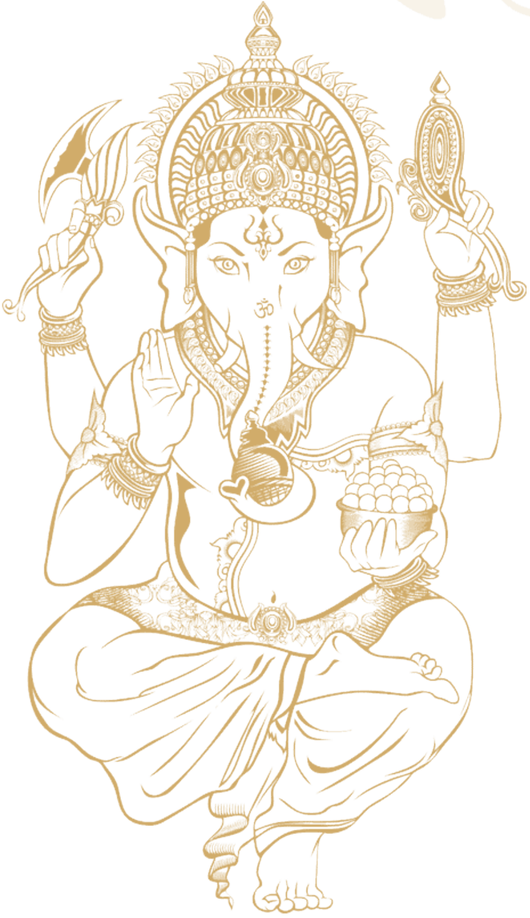

Mr. Tanu nagaich

15 Oct 1996

05:35 AM

Bijawar

Model: web-freekundliweb

Order No: 120889902

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**14-15/10/1996**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**05:35:00 घंटे**
इष्ट	58:33:21 घटी
स्थान	**Bijawar**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	24:36:00 उत्तर
रेखांश	79:30:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:12:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:23:00 घंटे
वेलान्तर	00:14:01 घंटे
साम्पातिक काल	06:58:14 घंटे
सूर्योदय	06:09:39 घंटे
सूर्यास्त	17:46:04 घंटे
दिनमान	11:36:25 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	28:06:19 कन्या
लग्न के अंश	19:24:18 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 3**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	प्रीति
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	ते-तेजवन्त
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	19:24:18	326:42:15	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	---
सूर्य			कन्या	28:06:19	00:59:30	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	सम राशि
चंद्र			तुला	27:12:53	13:21:18	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	सम राशि
मंगल			कर्क	27:29:12	00:34:54	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	नीच राशि
बुध			कन्या	15:41:13	01:41:26	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	शनि	मूलत्रिकोण
गुरु			धनु	16:36:43	00:07:14	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	स्वराशि
शुक्र			सिंह	18:53:00	01:10:50	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	शत्रु राशि
शनि	व		मीन	08:46:29	00:04:16	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
राहु	व		कन्या	14:11:11	00:02:06	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	14:11:11	00:02:06	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	मूलत्रिकोण
हर्ष			मक	06:50:24	00:00:15	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	बुध	---
नेप			मक	01:11:01	00:00:17	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	07:39:34	00:01:57	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	---
दशम भाव			मिथु	19:35:18	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:45

लग्न-चलित

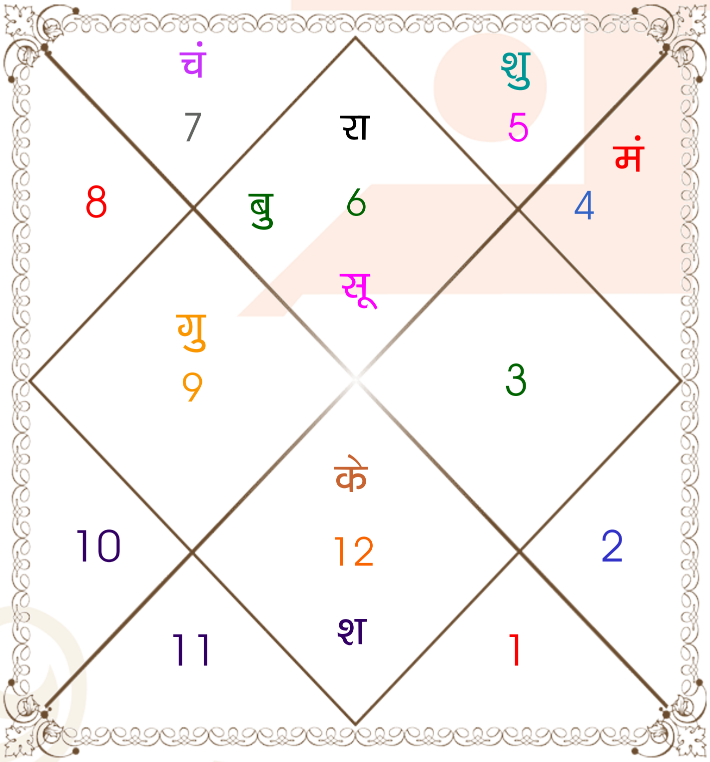

चन्द्र कुंडली

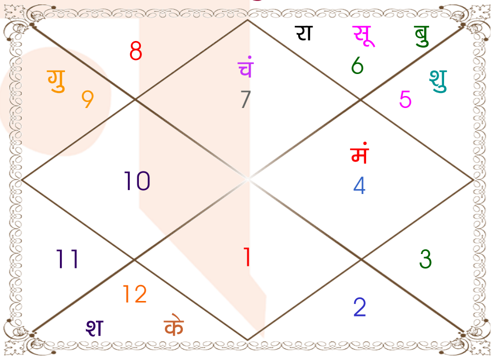

नवमांश कुंडली

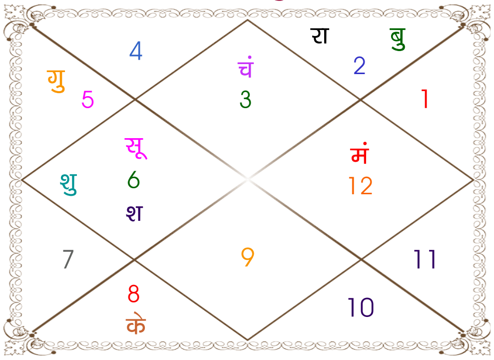

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 7 वर्ष 4 मास 3 दिन

गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष
15/10/1996	**18/02/2004**	**17/02/2023**	**18/02/2040**	**17/02/2047**
18/02/2004	**17/02/2023**	**18/02/2040**	**17/02/2047**	**17/02/2067**
00/00/0000	शनि 20/02/2007	बुध 16/07/2025	केतु 16/07/2040	शुक्र 19/06/2050
00/00/0000	बुध 30/10/2009	केतु 13/07/2026	शुक्र 15/09/2041	सूर्य 19/06/2051
00/00/0000	केतु 09/12/2010	शुक्र 13/05/2029	सूर्य 21/01/2042	चंद्र 17/02/2053
15/10/1996	शुक्र 08/02/2014	सूर्य 19/03/2030	चंद्र 22/08/2042	मंगल 19/04/2054
शुक्र 31/08/1998	सूर्य 21/01/2015	चंद्र 19/08/2031	मंगल 18/01/2043	राहु 19/04/2057
सूर्य 19/06/1999	चंद्र 21/08/2016	मंगल 15/08/2032	राहु 05/02/2044	गुरु 19/12/2059
चंद्र 18/10/2000	मंगल 30/09/2017	राहु 05/03/2035	गुरु 11/01/2045	शनि 17/02/2063
मंगल 24/09/2001	राहु 06/08/2020	गुरु 09/06/2037	शनि 20/02/2046	बुध 18/12/2065
राहु 18/02/2004	गुरु 17/02/2023	शनि 18/02/2040	बुध 17/02/2047	केतु 17/02/2067

सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष
17/02/2067	**17/02/2073**	**17/02/2083**	**17/02/2090**	**19/02/2108**
17/02/2073	**17/02/2083**	**17/02/2090**	**19/02/2108**	**00/00/0000**
सूर्य 07/06/2067	चंद्र 18/12/2073	मंगल 16/07/2083	राहु 30/10/2092	गुरु 08/04/2110
चंद्र 07/12/2067	मंगल 19/07/2074	राहु 03/08/2084	गुरु 26/03/2095	शनि 19/10/2112
मंगल 12/04/2068	राहु 18/01/2076	गुरु 10/07/2085	शनि 30/01/2098	बुध 25/01/2115
राहु 07/03/2069	गुरु 19/05/2077	शनि 19/08/2086	बुध 19/08/2100	केतु 01/01/2116
गुरु 24/12/2069	शनि 18/12/2078	बुध 16/08/2087	केतु 07/09/2101	शुक्र 16/10/2116
शनि 06/12/2070	बुध 19/05/2080	केतु 12/01/2088	शुक्र 06/09/2104	00/00/0000
बुध 13/10/2071	केतु 18/12/2080	शुक्र 13/03/2089	सूर्य 01/08/2105	00/00/0000
केतु 18/02/2072	शुक्र 19/08/2082	सूर्य 19/07/2089	चंद्र 31/01/2107	00/00/0000
शुक्र 17/02/2073	सूर्य 17/02/2083	चंद्र 17/02/2090	मंगल 19/02/2108	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 7 वर्ष 3 मा 21 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के तृतीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण भी साथ-साथ उदित था। आपके जन्मकाल के समन्वित ग्रह प्रभाव से यह परिलक्षित हो रहा है कि आप अध्ययनप्रिय है तथा आप सृजनात्मक लक्ष्य के प्रति सतत प्रयत्नशील तथा समर्पित प्राणी हैं। आपको इस प्रवृति को लाभजनक स्थिति में परिवर्तित करना चाहिए।

आप बुद्धिजीवी व्यक्ति है। परन्तु आपका चारित्रिक बल का महत्त्व प्रदर्शन आपके लिए व्यवधान कारक हो सकता है। आपकी सर्वत्र आलोचना होती है तथा आप जन्म सामन्य के दृष्टिकोण से पथभ्रष्ट होने के नाते आप इनकी श्रेणी में नहीं आते परिणाम स्वरूप अच्छी जामात के लोग आपको अपना प्रतिपक्षी (विरोधी) समझते है। आपके कुछ मित्रगण एवं आपके नौकर अधिक विरुद्ध एक जुट होकर आपको जन सामन्य की नजरों से पतित प्रमाणित करने का प्रयास कर सकते हैं। अतः आपको धैर्यपूर्वक एवं शान्त चित्त से अन्य के साथ अपना उत्तम व्यवहार बनाना होगा।

आपमें अन्य दुर्बलता यह है कि आप मध्यपान करने एवं संभोगात्मक प्रवृति से आकर्षित एवं वशीभूत हैं। आपको उत्तम स्वस्थ जीवन व्यतीत करने के लिए इन आदतों को नियंत्रित करना होगा तथा सुव्यवस्थित पारिवारिक वातावरण को सुनिश्चित करना होगा। क्योंकि मुख्यतः आपकों इस बात का गर्व होगा कि आपकी पत्नी बुद्धिमति है तथा आपको अच्छी सन्तान का संयोग प्राप्त है।

आपको अपने उत्तम स्वास्थ्य हेतु अनावश्यक सम्बन्ध की कोई आवश्यकता नहीं है। आपके उत्तम जीवन हेतु अच्छा वातावरण एवं कार्य कलाप अपनाना चाहिए। परन्तु वर्त्तमान काल आपको उदर विकार एवं मूर्च्छा जनित रोगों के प्रति अति संवेदनशील रहना होगा। आपको कतिपय संभावित रोगादि के प्रति रक्षात्मक प्रवृति रखनी चाहिए। यथा टायफायड, पेचीश एवं बेहोशी मूर्छा जनित आदि रोग आपको स्तम्भित कर सकता है। आपको सतर्कता पूर्वक अतिरिक्त भोजनादि में शाकाहार ग्रहण करना चाहिए। यह आहार-विहार आपके लिए लाभप्रद सिद्ध है।

आप निश्चय ही धनी होकर सुखमय जीवन यापन कर सकते हों परन्तु आपको प्रयत्नशील रहना होगा। आपको नियमितता बरतनी होगी। सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। प्रायः आपका अस्थिर बुद्धि से अपनी ढुलमुल नीति के अनुसार कोई निर्णय नहीं लेना चाहिए। आपको सर्वप्रथम गम्भीरता पूर्वक अपनी योजना एवं कार्यकलाप के प्रति विचार कर एकाग्रता पूर्वक निर्णयानुसार कार्याम्भ करें।

आपको शीघ्रतापूर्वक धन उपार्जन हेतु अतिरिक्त शक्ति सम्पन्न होना होगा। आप अनुकूल व्यवसायिक कार्यकलाप में धन का विनियोग कर सकते हैं। बहुधा आप ठोस व्यवसाय अपना सकते हैं। आप अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृति के प्रति उपेक्षात्मक आचरण का निर्माण करें। आपको अपनी लागत की वापसी हेतु किसी प्रकार की उद्घोषणा करने की आवश्यकता है।

आप भ्रमणशील प्रवृति के प्राणी है तथा बहुधा आप अपने निवास को परिवर्तित करते रहते हैं। कुछ भी हो आप अपनी परिवर्त्तनशील प्रवृति को अटल करें। यह आपके स्वभाव के लिए एक चाभी प्रमाणित होगा। आप अपने अस्थिर रहन-सहन की आदतों को अपूर्ण नहीं रखें अन्यथा यह आपको अति संचालित करता रहेगा। यदि आप अपने जीवन स्तर को उच्चता प्रदान करना चाहते हैं तो आप इस प्रकार की विशेषता का समावेश अपने जीवन में करे।

आपके लिए अंको में सर्वोत्तम अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक है। जीवन के लिए स्वाभाविक है। अंक 1 एवं 8 अंक त्याज्यनीय हैं।

आपके लिए रंग नीला, काला एवं लाल रंग अनुकूल नहीं है। आपको रंगों में पीला, सफेद, हरा एवं सूआपंखी रंग पूर्णतः अनुकूल एवं प्रसन्नतादायक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।